19

मिलकर पढ़िए

आउट

QRickit

0222CH19

छुट्टी का दिन था। जीत और बबली सुबह से खेल रहे थे।
उन्होंने कई सारे खेल खेले।

दोनों ने रस्सी कूदी।

फिर छुपन-छुपाई खेली।

उसके बाद गिल्ली-डंडा खेला।

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

बबली ने क्रिकेट खेलने के लिए कहा। जीत गेंद फेंकने के लिए तैयार हो गया। जीत ने गेंद फेंकी। बबली ने ज़ोर से बल्ला घुमाया। गेंद मोहित के आँगन में चली गई।

मोहित के घर ताला लगा हुआ था। जीत और बबली का खेल रुक गया। बबली बोली कि उसे गेंद बनानी आती है। उसने जीत से कपड़े, कागज़ और पन्नी लाने को कहा। वह खुद भी ये सब ढूँढ़ने लगी। दोनों ने खूब सारी कतरनें और पन्नियाँ इकट्ठी कर लीं। बबली सुतली का टुकड़ा भी ले आई।

Reprint 2025-26

बबली ने उन सबको मिलाकर एक
गोला बनाया।
गोले को सुतली से कस दिया।
दोनों की पसंद की गेंद बन गई।

खेल फिर से शुरू हो गया। इस बार बबली ने
गेंद उठाई। जीत ने बल्ला उठाया।
बबली ने गेंद फेंकी।
जीत ने ज़ोर से बल्ला
घुमाया। गेंद खुलकर
हवा में फैल गई।

बबली ने उछलकर एक कपड़ा पकड़ लिया। बबली उछल-उछलकर
आउट-आउट चिल्लाने लगी।
वह हाथ में कपड़ा लेकर
आउट-आउट कहते
हुए दौड़ी।

— साभार, बरखा क्रमिक पुस्तकमाला, एन.सी.ई.आर.टी.

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

बातचीत के बाद इन प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखिए –

1. जीत और बबली ने कौन-कौन से खेल खेले?
2. आप कौन-कौन से खेल खेलते हैं और किसके साथ खेलते हैं?
3. बबली ने गेंद बनाने में कौन-कौन सी वस्तुओं का उपयोग किया?
4. अगर आप अंपायर होते तो क्या जीत को आउट देते?

शब्दों का खेल

1. कहानी की घटनाओं को देखिए। उन्हें सही क्रम से लगाने के लिए अंकों को शब्दों में लिखिए –

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

2. नीचे दिए गए खेलों के बारे में जानकारी इकट्ठी कीजिए और लिखिए –

खेल का नाम	आप किस नाम से जानते हैं?
कबड्डी	.....
छुपन-छुपाई	.....
पिट्ठू	.....
गिल्ली-डंडा	.....
कंचा	.....

खोजें-जानें

अखबार में से खोजकर अपनी पसंद के किन्हीं दो खिलाड़ियों के चित्र काटकर नीचे दी गई जगह पर चिपकाइए। घर में किसी बड़े व्यक्ति से इन खिलाड़ियों के बारे में पूछकर आइए और कक्षा में इन खिलाड़ियों के बारे में बताइए–

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

खेल गीत

पोषम पा भई पोषम पा,
सा रे गा मा सा रे गा
आओ मिलकर खेलें खेल
छुपन-छुपाई छुक-छुक रेल
हँसना है मुस्काना है
फूलों-सा खिल जाना है

—साभार, एकलव्य

खेलों के नाम को उनके लिए आवश्यक वस्तुओं से मिलाइए–

बैडमिंटन

गिल्ली-डंडा

कंचा

क्रिकेट

फुटबॉल

शिक्षण-संकेत – बच्चों को खेल गीत पढ़कर सुनाइए और उसके बाद अपने साथ गाने को कहिए। अगर पर्याप्त स्थान हो तो बच्चों को यह खेल भी खेलने दे सकते हैं। यह सुनिश्चित करें कि खेल में सभी बच्चों को भाग लेने के समान अवसर मिलें।

© NCERT not to be republished

Reprint 2025-26

खेल सन्ध्या

सन्ध्या को हम खेलने जाते,
मित्रों संग आनन्द मनाते।
कभी दौड़ना और उछलना,
कभी गेंद के खेल खेलना।
कभी कबड्डी, खो-खो खेलें,
गुट्टे, आँख-मिचौनी खेलें।
गिल्ली-डंडा सबको भाता,
सतोलिया भी मज़ा दिलाता।
या फिर पेड़ों पर जा चढ़ना,
या हँस हँस के बातें करना।
जब अंधेरा होने लगता,
सबको कुछ डर लगने लगता।
तब हम घर को वापस आते,
कल खेलेंगे यह कह जाते।

—राकेश चन्द्र

Reprint 2025-26

मित्रों के साथ

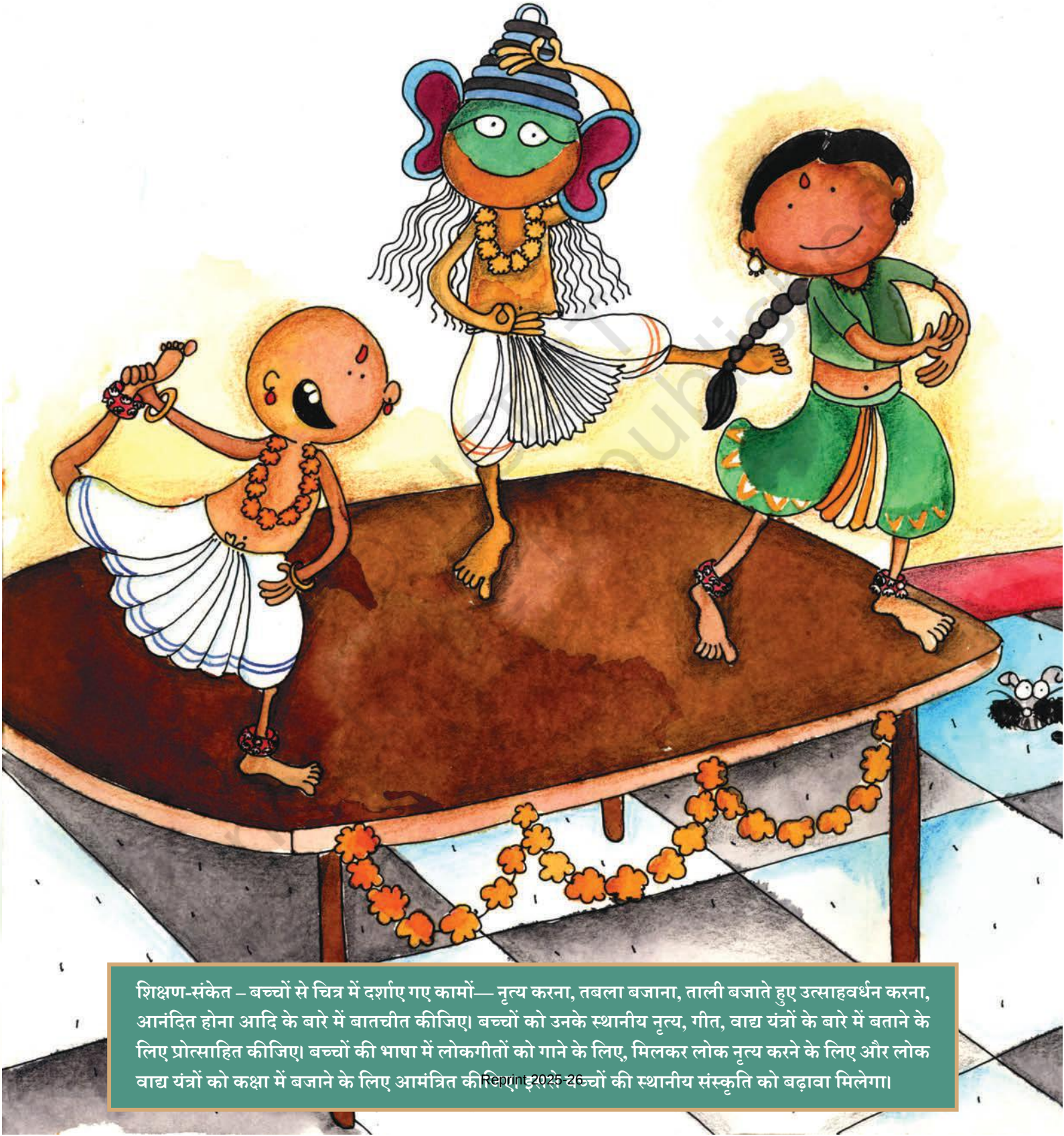

शिक्षण-संकेत – बच्चों से चित्र में दर्शाए गए कामों— नृत्य करना, तबला बजाना, ताली बजाते हुए उत्साहवर्धन करना, आनंदित होना आदि के बारे में बातचीत कीजिए। बच्चों को उनके स्थानीय नृत्य, गीत, वाद्य यंत्रों के बारे में बताने के लिए प्रोत्साहित कीजिए। बच्चों की भाषा में लोकगीतों को गाने के लिए, मिलकर लोक नृत्य करने के लिए और लोक वाद्य यंत्रों को कक्षा में बजाने के लिए आमंत्रित कीजिए। इससे बच्चों की स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

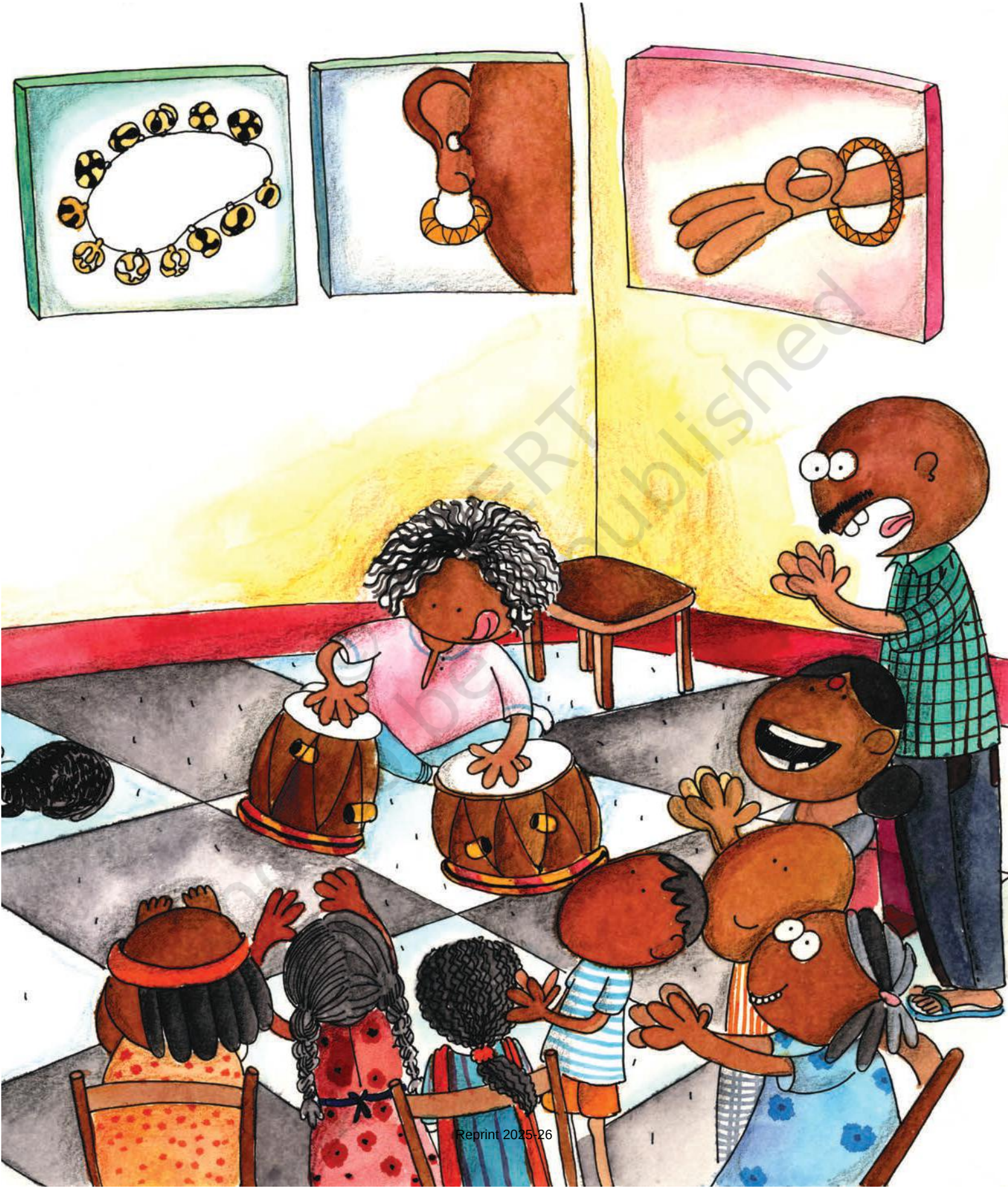

© NCERT not to be republished